हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 2 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भोपाल में मंडला के कोदो-कुटकी उत्पादों की प्रदर्शनी

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश एमएसएमई सम्मेलन में मंडला जिले की कोदो-कुटकी प्रसंस्करण इकाई मैसर्स मध्यम बेकर्स, बिछिया ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में इकाई द्वारा कोदो-कुटकी से निर्मित उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे आगंतुकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सराहा। इस सहभागिता से मंडला जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने के साथ-साथ विपणन और नए व्यावसायिक अवसरों की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अनुसार यह सहभागिता स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहित करने तथा जिले के आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

उत्कृष्ट विद्यालय भुआ बिछिया में जिला समन्वयक ने किया कक्षाओं का अवलोकन

मण्डला। विकासखंड बिछिया जिला मंडला दिनांक 30 जून 2026 को विकासखंड बिछिया के उत्कृष्ट विद्यालय में जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सुशील बर्मन द्वारा निरीक्षण किया गया एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के संचालित परीक्षाओं का भी अवलोकन करते हुए उपस्थित विद्यार्थियों से आत्मीय परिचयात्मक चर्चा की गई एवं समाज कार्य के विषय में महत्व बताते हुए आगे हमें किस प्रकार इस कोर्स को करने के बाद में क्या करना चाहिए पर बिंदुवार चर्चा की गई। इस दौरान सभी मेंटर्स एवं विकासखंड समनव्यक कीर्ति कुरील विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नपा द्वारा लगवाये गये टेचिंग ग्राउंड में सोलर प्लांट का मामला

काम अधूरा लेकिन 50 लाख का भुगतान पूरा

*** सूचना के अधिकार के तहत भी नहीं दी जा रही पूरी जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

देश एवं प्रदेश की सरकारें लगातार प्रयासरत हैं कि प्रत्येक जिले में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो, शहरों का सुसज्जित विकास हो इसके लिये राशि भी आवंटित की जा रही है हमारे शहर को भी इस तरह की राशि का आवंटन हुआ जिससे शहर के नजदीक मोहनटोला की पहाड़ी पर टेंचिंग ग्राउंड का विस्तार किया जा रहा है और यहां कचरे के पृथककरण एवं प्रशंसकरण के लिये सोलर लाईट का प्लांट लगाया गया इसकी लागत 50 लाख रूपये बताई जाती है लेकिन हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है।

क्या है मामला

टेंचिंग ग्राउंड में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पृथकीकरण, प्रशंसकरण हेतु सोलर लाईट/विद्युतीकरण कार्य के लिये टेंडर निकाला गया जिसकी लागत राशि 50 लाख रूपये एवं समयावधि दो माह एक दिवस रखी गई यह निविदा मई 2025 में निकाली गई टेंडर जो पास हुआ उसके द्वारा इस काम के लिये राशि 49 लाख 99 हजार 950 रूपये रखी गई लेकिन यह फर्म कौन सी है यह किसी को नहीं बताया गया न ही परिषद को इसकी जानकारी दी गई। जब भुगतान होना था तब परिषद के समक्ष यह पूरा मामला आया कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया लेकिन उन्हें चुप करा दिया गया।

फर्म को जारी हुआ नोटिस

जानकारी न मिलने से परेशान पार्षदों द्वारा यह मामला अन्य लोगों से चर्चा में आया और फिर जब नपा से सवाल-जबाव किये जाने लगे तो फिर आनन-फानन नगरपालिका परिषद द्वारा सोलर प्लांट लगाने वाली फर्म को 11 मार्च 2026 को एक नोटिस जारी किया जाता है जिसमें यह उल्लेख होता है कि आपके द्वारा 550 एलपीएच का सोलर वाटर हीटर सिस्टम नहीं लगाया गया है जिसे 15 दिवस के अंदर लगाना सुनिश्चित करें अन्यथा देयक से कटौती की जायेगी। अब इस नोटिस का क्या महत्व जबकि फर्म को पहले ही तीन माह पूर्व पूरा भुगतान कर दिया गया है। प्रश्न यह उठता है कि जब काम पूरा नहीं हुआ था तो फिर भुगतान पूरा कैसें कर दिया गया।

टेंचिंग ग्राउंड में जो प्लांट लगा है जिसके लिये नपा द्वारा लगभग 50 लाख रूपये भुगतान कर दिये गये उसमें न तो आधार भूत संरचना तैयार की गई और न ही गुणवत्तापूर्ण बैटरी लगाई गई है जिन पाईपों में लाईट लगाई गई है वे भी सामान्य पाईप हैं इन सबकी लागत यदि जोड़ी जाये तो लगभग 15 से 20 लाख रूपये खर्च आता है जिसके लिये नपा द्वारा 50 लाख का भुगतान कर दिया गया।

विवादित फर्म का विवादित काम

सोलर प्लांट जिस फर्म द्वारा लगाया जाना बताया गया वह न तो इसकी अधिकृत विक्रेता है और न ही निर्माता, यह वह व्यापारी है जो कि जिले के छात्रावासों में गद्दे, वॉशिंग मशीन और रोटी मशीन सप्लाई करता रहा है इसके कारनामों की गूंज विधानसभा स्तर तक पहुंची है और इसकी उच्च स्तर जांच भी हो रही है ऐसे में नपा द्वार इसके माध्यम से सोलर प्लांट लगवाना अनेक संदेहों को जन्म देता है। इस पूरे मामले में यदि नपा ईमानदार है तो फिर सूचना के अधिकार के तहत पूरी जानकारी क्यों नहीं दे पा रहा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में हुआ पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अशोक के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आनंद कुमार, मुख्य प्रबंधक श्री आशीष मित्तल एवं मुख्य प्रबंधक श्री विवेक सिंह अलपूरिया, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी मां के नाम पर लगाया गया एक पौधा न केवल पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जीवनदायी साबित होगा। प्राचार्य श्रीमती नामदेव ने उपस्थित सभी लोगों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में इको क्लब के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

घुसा गंदा पानी, 10 साल से जलभराव पर भी नगरपालिका बेपरवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर पालिका परिषद मंडला के वार्ड क्रमांक 14 सुभाष वार्ड में पहली ही बारिश ने नगरपालिका के दावों की पोल खोल दी। बारिश के बाद पूरी सड़क जलमग्न हो गई और गंदा पानी कई घरों में घुस गया। करीब एक घंटे बाद सड़क से पानी तो उतर गया, लेकिन पूरी सड़क पर कीचड़ और गंदगी फैल गई, जिससे पूरे मोहल्ले में दुर्गंध का माहौल बन गया। वार्डवासियों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। पिछले 10 से 12 वर्षों से हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन नगर पालिका ने आज तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वे कई बार नगरपालिका की जनसुनवाई में शिकायत कर चुके हैं और सीएम हेल्पलाइन पर भी आवेदन दिए गए, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला, समाधान नहीं।

रहवासियों ने बताया कि बुधवार की बारिश में सड़क पर इतना अधिक पानी भर गया कि लगभग दो घंटे तक लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए वार्डवासियों ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि नगरपालिका जल निकासी की व्यवस्था नहीं कर सकती तो कम से कम बारिश के मौसम में वार्ड में एक नाव की व्यवस्था ही कर दे, ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर सकें।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनसुनवाई के दौरान नगरपालिका अधिकारियों ने एक सप्ताह में समस्या के समाधान का भरोसा दिया था, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ₹नगरपालिका का धन्यवाद, जिसने हमें हर साल इसी बदहाल स्थिति में रहने के लिए छोड़ दिया है।₹

वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जलभराव के कारण भविष्य में कोई दुर्घटना, जनहानि या अन्य अप्रिय घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगरपालिका प्रशासन की होगी। नागरिकों ने मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए तत्काल जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए, ताकि हर साल होने वाली इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्रीस्कूल में उत्साहपूर्वक मनाया गया नेशनल डॉक्टर्स डे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी प्रीस्कूल, पड़ाव शाखा में नेशनल डॉक्टर्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर की प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. जागृति अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और अपने प्रेरणादायक विचारों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

डॉ. जागृति अग्रवाल ने नन्हे विद्यार्थियों को अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छ जीवनशैली के महत्व के बारे में सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने की सही विधि, शरीर को साफ-सुथरा रखने, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन करने तथा अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बच्चों को बताया कि यदि कभी वे अस्वस्थ महसूस करें या चोट लग जाए तो बिना घबराए डॉक्टर के पास जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने, अनुशासित रहने और नियमित अध्ययन करने का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। विद्यालय परिवार ने डॉ. जागृति अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना था, जिसे सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन ब्रेन चाइल्ड अकादमी प्रीस्कूल की सेंटर हेड शालिनी शुक्ला के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षण स्टाफ का विशेष सहयोग रहा, जिसके कारण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आयोजन | **श्रीअन्न उत्पादक किसानों का सम्मान सरकार की प्राथमिकता-मंत्री श्रीमती संपतिया उइके।**

जिला स्तरीय धान महोत्सव का आयोजन

*** कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों को मिला बोनस।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 3,941 किसानों को 2 करोड़ 82 लाख रुपये की बोनस राशि का वितरण किया। इसमें मंडला जिले के 424 किसानों को 17 लाख 96 हजार 570 रुपये की बोनस राशि प्राप्त हुई। उल्लेखनीय है कि योजना के तहत कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,500 रुपये तथा कुटकी का 3,500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है, जिस पर 1,000 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान किया गया।

प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय धान महोत्सव एवं रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोदो-कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को कृषि उपज मंडी, मंडला में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और जनजातीय भाई-बहनों के हित में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती और श्रीअन्न उत्पादन करने वाले किसानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए सरकार बिना किसी परेशानी के बोनस उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि कोदो-कुटकी मंडला जिले का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट भी है, जिसके माध्यम से जिले की पहचान और किसानों की आय दोनों को नई मजबूती मिलेगी।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ वितरण

कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से आए हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से तिल बीज मिनी किट, मुनगा पौधे, चरीचरा मिनी किट, कोदो-कुटकी बोनस के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। इस दौरान कृषि सखियों द्वारा मंत्री श्रीमती संपतिया उइके को बीजामृत एवं चिया सीड्स भेंट किए गए।

संबल हितग्राहियों को मिली अनुग्रह सहायता

इसके साथ ही कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत भी अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 16,754 श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की। मंडला जिले के 386 श्रमिक परिवारों को 8 करोड़ 36 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता प्राप्त हुई। कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से संबल योजना की सहायता राशि भी प्रदान की गई।

पड़रिया पंचायत में नालियों की स्थिति खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में नालियों की ना तो सफाई की जा रही है ना उनकी मरम्मत जिसके कारण बरसात के पहले उन सभी नालियों की साफ सफाई की जानी थी परंतु पंचायत की लापरवाही के कारण नालियों की स्थिति इस तरह खराब हो गई है कि नाली के ऊपर से पानी बह रहा है नालियों का पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है बरसात के पहले नालियों की मरम्मत एवं साफ सफाई की व्यवस्था पंचायत द्वारा की जानी थी परंतु इस कदर की लापरवाही के कारण हर मोहल्ले एवं वार्ड में नालियों की स्थिति खराब हो रही है किसके कारण नालियों गंदगी बीच सड़क में बह रही है चारों तरफ दुर्गंध के अलावा कुछ नहीं है लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है 1 जुलाई से स्कूल चालू हो गए हैं छोटे-छोटे बच्चों को नाली के गंदे मलबे के ऊपर से जाना पड़ रहा है परंतु पंचायत को इन सभी आसुविधाओं से कोई लेना देना नहीं है पंचायत उन नए कामों को कर रही है जहां पर फिर एक समस्या खड़ी हो गई है रोड तो बन रही हैं परंतु नालियों का कोई अता-पता नहीं है जिसके कारण बरसात के समय बीच रोड में पानी बहता हुआ नजर आ रहा है इस संबंध में कई बार समाचार पत्रों के माध्यम से एवं 181 के माध्यम से पंचायत को अवगत करा दिया गया है परंतु दबाव डालकर 181 हटा दिया गया है यह कहकर की जल्द से जल्द नालियों की मरम्मत एवं बरसात के पहले नालियों की साफ सफाई की जावेगी परंतु अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण नालियों का गंदा पानी सड़क पर आने से रोका जा सके पंचायत के अधिकतर वार्डों की स्थिति खराब है अगर शीघ्र ही नालियों की साफ-सफाई एवं मरम्मत की व्यवस्था नहीं की गई तो लोग मजबूरी बस 181 एवं जनसुनवाई में जाने के लिए मजबूर होंगे जिसकी सभी जवाबदारी पंचायत के होगी।

सरनेम परिवर्तन सूचना

मैं श्याम सुंदर रोटेला पिता श्री सीताराम रोटेला, 52 वर्ष, ग्राम लिमरूआ थाना बम्हनीबंजर, तह.व जिला मण्डला म.प्र. का निवासी हूं। पूर्व में मेरे पुत्र श्रेयांस का सरनेम पाल लिखा जाता था। उसके पूर्व के आधार कार्ड में उसका नाम श्रेयांस पाल पिता श्याम सुंदर रोटेला दर्ज है। अब मेरा पुत्र श्रेयांश सरनेम रोटेला लिखने लगा है। पुत्र के आधार कार्ड को अपडेट कराकर पुत्र का नाम श्रेयांश पिता श्याम सुंदर रोटेला दर्ज करा लिया गया है। जो नाम उसके वर्तमान के आधार कार्ड, शैक्षणिक विलेखों एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। श्रेयांश रोटेला पिता श्याम सुंदर रोटेला एवं श्रेयांश पाल पिता श्याम सुंदर रोटेला दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के हैं। अतःअब मेरे पुत्र को श्रेयांश पाल के स्थान पर श्रेयांश रोटेला के नाम से जाना, पहचाना, पढा लिखा संबोधित किया जावे।

शपथकर्त्ता
श्याम सुंदर रोटेला
पिता श्री सीताराम रोटेला
ग्राम लिमरूआ थाना बम्हनीबंजर
तह. जिला मण्डला

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने दिये राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बुधवार को जहां आसमान पर काले बादल नजर आ रहे थें तो दूसरी ओर राजस्व विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों के बीच गहमा गेहमी का महौल दिखाई देने से नही चूक रहा था। बताया जाता है कि बुधवार को जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अपने वार्षिक निरीक्षण रोस्टर के तहत अनुविभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय गाडरवारा का अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। बताया जाता है कि इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण एवं विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने दायरा पंजी, अपील पंजी सहित अन्य आवश्यक पंजियों एवं अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा रिकॉर्ड का नियमित दुरुस्तीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुये उन्होंने कहा कि कार्यालयीन अभिलेख व्यवस्थित एवं अद्यतन होना सुशासन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व प्रकरणों में प्रगति लाने, सीएम हेल्पलाइन, समय-सीमा (टीएल), जनसुनवाई तथा भू-अर्जन से संबंधित आवेदनों का भी समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये।

नौका विहार उत्सव का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शुरू हुये आषाठ माह के बीच जहां नगर में धार्मिक आयोजना की शुरूआत होते हुये दिखाई देने लगी है। इसी के चलते बीते हुये मंगलवार को स्थानीय श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में भव्य नौका विहार उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन शाम 6 बजे से किया गया था। जहां पर मंदिर के पुजारी कमलेश भार्गव के मार्गदर्शन में आयोजित नौका विहार उत्सव में भगवान श्री कृष्ण का नौका में अलौकिक श्रृंगार एवं विहार आकर्षण का केंद्र रहा। उत्सव के आयोजन हेतु मंदिर में एक बड़े, चोड़े एवं गहरे पात्र मे पानी एकत्रित कर उसमे भगवान श्री कृष्ण को नौका बिहार कराया गया। इस दौरान मंदिर में भव्य आरती एवं भजनों का आयोजन भी हुआ। अंत में प्रसाद वितरण उपरांत कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। इस कार्यक्रम में श्रीदेव अटल बिहारी भक्त मंडल के आह्वान पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रकृति ने खुद बना लिया स्टाप डेम

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबडा। सतपुड़ा पर्वत के नीचे बसे हुए इस गाडरवारा तहसील को नर्मदा का आंचल समेटे हुए है, भले ही गर्मी में शक्कर, सीता रेवा, दुधी नदी के जलस्तर में कमी आ जाती है, मगर मॉ नर्मदा की जल राशि ऐसी है जो आस्था का गीत गाती रहती है किन्तु दुर्भाग्य की बात है कि तहसील में उन ऐतिहासिक, धार्मिक तथा प्राकृतिक सुषमा से ओत प्रोत उन स्थानों की तरफ ध्यान नही दिया गया जो म.प्र.के पर्यटन के नक्शे मे नाम दर्ज कराने के हकदार है, सच्चाई यह है कि पुरातत्व विभग की सक्रियता क्षेत्र में देखने मे नही आ रही है, जिसके कारण क्षेत्र कें अनेक रमणीक स्थलो के प्रति आकर्ष बढ़ नही पा रहा है और उनकी दशा शोचनीय होती जा रही है, बताया जाता है कि शहर से लगभग 36 किलोमीटर की दूरी पर जामगांव के समीप घोघरा नामक अद्भुत रमणीक स्थल पर प्रकृति ने अपना भरपूर सौन्दर्य बिखेरने मे कसर नही छोड़ी है, कुदरत का चमत्कार है कि घोघरा के आस पास के विशाल काले पत्थरो के ऊपर से निर्झर बह रहे है, जिनकी कल कल ध्वनि घोघरा से 2 किलोमीटर दूर ग्राम जामगॉव तक सुनी जा सकती है, यही नही घोघरा में दुधी नदी के पास प्रकृति के पत्थरो से स्टाप डेम बना दिया है, जिसमें अथाह पानी बारह माह भरा रहता है, पुरानी पीढ़ी के लोगों का कहना है कि प्रकृति निर्मित इस स्टाप डेम मे इतना अधिक पानी रहता है कि जिसका नाप किया जाना सम्भव नही है? घोघरा मे वेगवती दूधी नदी के धरातल से 1 किलो मीटर ऊपरी पहाड़ी पर भगवान शंकर पवन पुत्र हनुमान जी का मंदिर भी बना हुआ है। ज्ञातव्य है कि घोघरा में प्रकृति की अद्भुत लीला निहारनें हालॉकि क्षेत्रवासी पहुॅचते रहते है।

मंडी प्रशासन की लच्चर व्यवस्थाओं के चलते खून पसीने से तैयार की गई फसल नालियों में बहते हुये दिखाई देने से अन्नदाताओं की आंखों से निकले आंसू

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जब किसान अपने खेत में फसल की बोनी करता है तो उसका पूरा परिवार फसल तैयार होने तक उसकी देख रेख करते हुये खेत में ही डेरा डाल देता है। इस दौरान न तो वह रात देखता है और न ही उसे सूरज की तपन का अहसास होता है। इस तरह खून पसीना को एक करते हुये माटी पुत्र किसान अपने खेत में पैदा की गई फसल का एक एक दाना तैयार करते हुये इस उम्मीद के साथ मंडी में विक्रय करने के लिये पहुंचता है कि इस रात दिन की मेहनत की कमाई से वह अपने बच्चों का भरण पोषण करने के साथ वृद्व माता पिता का इलाज तो दूसरी ओर स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की फीस अदा करेगा। इस दौरान जब किसी किसान की फसल का एक दाना भी यदि जमीन पर डला रह जाता है तो वह अपने हाथ से ही झाड़ू लगाते हुये एकत्र करने के बाद उसे प्यार से सिर पर लगाने से नही चूकता है। मगर किसान द्वारा दिन रात करते हुये एक करते हुये तैयार की की गई फसल उसकी आंखों के सामने ही नालियों में बहते हुये दिखाई देगी तो माटी पुत्र उसके दिल पर क्या गुजरती होगी इस बात का अंदाज न तो प्रशासन तंत्र में बैठे हुये अधिकारी लगा सकते है और न ही अन्नदाताओं की वोटों के बल पर दिल्ली से लेकर भोपाल तक की सैर करने वाले जिम्मेदार नेतागण..? क्योंकि अपने परिवार को त्यागते हुये रात दिन खेतों में सूरज की तेज तपन की परवाह किये बगैर पैदा की गई फसल का जब एक भी दाना बर्बाद होते हुये दिखाई पड़ता है तो किसानों की आंखे झलकने से नही चूक पाती है। यदि वही खून पसीने से तैयार की गई फसल नालियों में बहते हुये दिखाई देगी तो उसका क्या हाल होगा इस बात की सच्चाई बीते हुये बुधवार की दोपहर नगर की जवाहर कृषि मंडी में उस समय देखने मिली जब मंडी प्रशासन की लच्चर व्यवस्था के चलते क्षेत्र के दर्जनों किसानों की गेंहू सहित अन्य प्रकार की फसल प्लेट फार्म पर विक्रय के लिये रखी होने के दौरान बारिश की भेंट चढ़ जाने के चलते नालियों में बहते हुये नजर आने से नही चूक पाई है..? इस सच्चाई को देखते हुये जहां अन्नदाताओं की आंखों में आंसू निकलने से नही चूक रहे थे तो दूसरी ओर मंडी प्रशासन की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली भी उजागर होने से नही बच पा रही थी। बताया जाता है कि बारिश के पूर्व मंडी प्रशासन द्वारा किसानों का अनाज विक्रय होने वाले प्लेट फार्मो के ऊपर की साफ सफाई नही कराये जाने के चलते जब बीते हुये बुधवार को दोपहर अचानक बारिश का दौर शुरू हुआ तो मेड सेड के अंदर किसानों के अनाज की डेरिया बारिश के पानी से तरबदर होने से नही चूक पाई थी और हाल यह बना हुआ था मंडी सेठ ने पूर्णरूप से नालियों का रूप धारण करते हुये किसानों के अनाज का बहाते हुये ले जा रहा था। इस संबंध में जब किसानों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि हम लोग सुबह अपना अनाज लेकर आये और मंडी द्वारा बनाये गये सेड पर डेरियाँ लगाने के बाद व्यापारियों द्वारा बोली लगाते हुये उसकी खरीद भी कर ली गई थी। मगर तुलाई होना बाकी रह गया था। मगर दोपहर को अचानक तेज बारिश होने के चलते मंडी सेड का छप्पर अनेक जगहों से टूटा होने के साथ साथ उसकी साफ सफाई नही होने के कारण बारिश का पानी पूरा का पूरा अंदर आ रहा था। इस स्थिति में जहां हमारा पूरा का पूरा अनाज बारिश में भीगने के साथ साथ नालियों में बह गया। वही अब भीगे हुये अनाज की तुलाई कराने से व्यापारियों द्वारा इंकार किया जा रहा है। अब इसमें हमारी क्या गलती है। हम लोगों द्वारा तो अपना माल मंडी द्वारा प्रदान की गई व्यवस्था के तहत ही रखा गया था। अब इस भीगे हुये माल को हम लोग अपने घर कैसे लेकर जावे। इस तरह मंडी प्रशासन की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली के चलते बारिश में दर्जनों किसानों का अनाज भींग जाने के चलते व्यापारियों द्वारा लेने से इंकार किये जाने की बात को लेकर जहां किसानों में आक्रोश छाने से नही चूक पाया था। इस संबंध में जब मंडी सचिव देवकी कुशराम से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि किसानों का अनाज विक्रय होने के लिये जिस प्लेट फार्म पर रखा हुआ था उसकी साफ सफाई नही होने के कारण कचरा फस जाने तथा टूटा होने के चलते बारिश का पानी अंदर आने के कारण किसानों का अनाज भीग गया है। हम शीघ्र ही प्लेट फार्म का सुधार करा देवेगे। वही व्यापारियों से भी चर्चा कर रहे है कि वह एजेस्ट करते हुये किसानों के भीगे हुये माल की तुलाई करावे। इस तरह मंडी प्रशासन के जिम्मेदारों द्वारा मंडी प्लेट फार्म के छप्पर में टूटे जाने सहित कचरा फसा होने की बात को स्वीकार की गई है..? वही दूसरी ओर जिस तरह कहा जा रहा है कि व्यापारियों से एजेस्ट करने की बात चल रही है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि मंडी प्रशासन की लच्चर व्यवस्था के चलते जिस तरह किसानों का माल बारिश के पानी में भीगा है। यदि व्यापारियों द्वारा उस माल को कम दामों पर या फिर कम मात्रा में तोला जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? कही ऐसा तो नही कि मंडी प्रशासन की लापरवाही का परिणाम किसानों को भुगताने के लिये मजबूर होना पड़ेगा..? इस सच्चाई का पता तो माल की तुलाई व निर्णय होने के बाद ही उजागर हो पायेगा..? क्योंकि समाचार लिखे जाने तक किसानों का भीगे हुये माल की तुलाई नही हो पाई थी।

सीजन की पहली बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, मगर एक घंटे की झमाझम ने व्यवस्थाओं की खोल डाली पोल, नगर के मुख्य स्थानों से लेकर कॉलोनियों में दिखाई दिये जल भराव के नजारे...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

वैसे भी देखा जावे तो इस साल मानसून की कृपा दृष्टि काफी देरी से होने के चलते जहां लोगों को आषाढ़ माह में बैशाख जैसी स्थिति का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा था। मगर जुलाई माह के पहले ही दिन जिस तरह एक घंटे की झमाझम बारिश से अपना रूप दिखाया गया है उससे नगर की व्यवस्थाओं की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। बीते हुये 15 दिनों से प्रदेश के अनेक हिस्सों में बारिश होने की खबरे तो सुनी जा रही थी। मगर गाडरवारा क्षेत्र में अभी तक पानी नही गिरने से गर्मी का परा मानो पूर्णरूप से सातवे आसमान पर दिखाई दे रहा था। इस तरह गर्मी से परेशान हो रहे लोगों द्वारा शीघ्र ही बारिश होने का इंतजार किया जा रहा था। वह इंतजार बुधवार की दोपहर को समाप्त हो गया। सीजन की पहली बारिश के चलते लोगों को काफी हद तक जहां गर्मी से राहत मिलते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर किसानों के चेहरों पर भी खुशी भरी मुस्कान उभरने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। इस तरह बुधवार की दोपहर लगभग एक घंटे तक हुये बारिश के चलते जहां शहर के मुख्य स्थानों से लेकर कालोनियों में जल भराव के नजारे देखने मिलने से नही चूक पाये है। इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि जब जरा सी बारिश के चलते सड़को पर इस तरह का हाल दिखाई दे रहा है तो जब घनघौर बारिश का दौर शुरू होगा तो क्या हाल बनेगा..? क्योंकि सीजन की पहली बारिश के चलते नगर में जहां तहां जल भराव के नजारे देखने मिली तो आगे क्या हाल बनेगा..? जबकि देखा जाता था कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा बारिश का मौसम शुरू होने के पहले ही इस प्रकार की व्यवस्थाएं बनाये जाने की सोच रखी जाती है कि बारिश के मौसम में आमजन को परेशान न होना पड़े। मगर इस समय देखा जावे तो बारिश के सीजन की शुरूआत ही हुई है और नगर में अनेक जगहों पर पानी भरने के नजारे दिखाई देने से नगर पालिका प्रशासन की व्यवस्थाओं की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पाई है। क्योंकि नगर की अनेक कालोनियों में जल निकासी की व्यवस्था नही होने के कारण वैसे भी लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी एकत्र होते हुये देखा जाता है। इस बीच बारिश के पानी खाली पड़ी हुई जगहों से लेकर नालिया तालाब का रूप धारण करते हुये प्रतीत होने से नही बच पायेगी...? इस प्रकार से देखा जावे तो नगर के अनेक वार्डो की स्थिति भी किसी से छिपी नही है, जहां पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष बारिश का दौर शुरू होने के पहले नालियों की सफाई नही होने के कारण जहां वह चोक पड़ी हुई है। इस स्थिति में बगैर बारिश के ही नालियों का गंदा पानी सड़को पर बहते हुये देखा जा रहा है और बारिश के दौरान यह पानी लोगों के घरो के अंदर पहुंचने से नही चूक पाता है। यदि समय रहते हुये नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से आने वाली दिनों में घनघोर बारिश का दौर चलेगा उस दौरान नगर की भयानक स्थिति निर्मित होने से नही बच पायेगी और नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में भरने के कारण अनेक प्रकार की नई बीमारियाँ जन्म लेते हुये देखी जावेगी? इस साल बारिश के सीजन की पहली बरसात हुई जिसे अभी सही मायने में यह नही कहा जा सकता है कि मानसून आ चुका है। क्योंकि मौसम विभाग के जानकारों के अनुसार तो अभी मानसून की आमद के लिये इंतजार किये जाने की बात कही जा रहा है। मगर जिस तरह बुधवार की दोपहर प्री- मानसून के रूप में मात्र एक घंटे के लिये हुई बारिश के चलते नगर के झंडाचौक, श्याम टाकीज रोड, शिवालय चौक की सड़को ने जहां नाली का रूप धारण कर लिया गया था तो दूसरी ओर शहर की कालोनियों व मुहल्लो में जल निकासी के उचित प्रबंध नही होने के कारण लोगों के घरों के अंदर पानी भरते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा था। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब मानसून अपने पूर्ण शबाब पर आकर अपनी आमद देगा जब क्या स्थिति निर्मित होगी इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है..? इस तरह सीजन की पहली बारिश के चलते लोगों को जहां गर्मी से राहत महसूस होते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर किसानों के चेहरे भी खुशी से खिलते हुये नजर आने से नही चूक रहे है। क्योंकि किसानों के खेतों में लगी हुई मूंग फसल कटने के बाद किसानों द्वारा अब अपने खेतों में धान रोपने तथा सोयाबीन की बोनी करने की तैयारियाँ शुरू कर दी गई है। मगर बीते हुये जून माह जो बारिश की शुरूआत के लिये मुख्य माना जाता है उस पूरे माह सूरज की तपन बैशाख माह की तरह अपना रूद्र रूप दिखाते हुये किसानों को चिंता में डालने से नही चूक पा रही थी। मगर बीते हुये बुधवार की दोपहर में इन्द्रदेव ने गर्मी से राहत देते हुये अन्नदात की चिंता को भी समाप्त कर दिया गया है। सीजन की पहली वारिश का क्रम तो कमजोर ही देखने मिला है। मगर उम्मीद है कि आने वाली दिनों में झमाझम बारिश के नजारे दिखाई देने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...?

मनमानी बिजली कटौती के चलते गांवों में लाखों की टंकी दिखाई दे रही शोभा की सुपारी, बूंद बूंद पानी को भटते हुए देखे जाते हैं ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा की दृष्टि से भले ही नल-जल योजनाओं का गांव गांव शुभारंभ किया गया है। लेकिन इन योजनाओं का ग्रामीणों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की कई पंचायतों में शुभारंभ के कुछ समय बाद ही योजनाएं बंद पड़ी हुई हैं। वही दूसरी ओर अनेक गांवों में बिजली बिलों के भुगतान के चलते लाईने कटी पड़ी है तो दूसरी ओर इस समय हो रही अंधाधुंध कटौती के चलते नलजल योजनाऐं फैल होते हुये देखी जा रही है। क्षेत्र के अनेक गांवो में पीने के पानी की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर शासन प्रशासन द्वारा नल-जल योजना और अन्य जल योजना चलाई जा रही है। जिसके चलते अनेक पंचायतों में सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए पानी टंकी बनबाते हुए बीते हुए कुछ वर्ष पहले इन योजनाओं को शुरू तो करा दिया गया है। मगर इस इस योजना से ग्रामीणों को कोई खास लाभ नहीं मिल पा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि जल संकट हर तरफ बढ़ता ही जा रहा है। हालाकि योजनओं का उद्देश्य ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है। लेकिन पानी सप्ताह में एकाध बार भी पानी सही ढंग से नहीं मिलता है। इन योजनाओं के बंद होने का कारण भी अलग अलग है और कुछ तो जल स्रोत सूखने के कारण बंद हो रही है तो कुछ बिजली कनेक्शन काटने तथा मनमानी बिजली कटौती के चलते बंद हो चुकी हैं। वही दूसरी ओर कुछ ग्राम पंचायतों में देखा जा रहा है कि पानी टंकी के निर्माण में बरती गई गफलतबाजी के चलते पानी टंकियों में पानी भरते ही पानी टपकना शुरू हो जाता है, जिसके चलते नलजन योजना के ना पर करोड़ो खर्च किये जाने के बाद भी वह उपयोगी साबित नही हो पा रही है। वही गौर किया जावे तो पीएचई विभाग द्वारा इन योजनाओं के शुरू होने के बाद बंद होने की सूचना मिलने पर बरती गई उदासीनता के चलते ग्रामीणों को गर्मी के दौरान पीने के पानी को लेकर भटकते हुए देखा जा रहा है और यही हाल आने वाले बारिश के दिनों में भी देखने मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है जब ग्रामीणों को प्रदूषित पानी पीने के लिये मजबूर होना पड़ेगा...? कहाँ लागू होती है नल-जल योजनाः- पीएचई विभाग के अनुसार नल-जल योजना 2 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है। इस योजना के तहत एक ट्यूबवैल से अनेक नल कनेक्शन पाईप लाईन में बिछाकर दिये जाते हैं। घरों में कनेक्शन के बाद पानी की सप्लाई पंचायत स्तर से प्रतिदिन या फिर वहां पर जैसी पानी की स्थिति होती है के अनुसार की जाती है। बदले में पंचायत द्वारा कनेक्शनधारियों से शुल्क भी लिया जाता है। कहाँ लागू होती है स्थल जल योजनाः- एक हजार से कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रें में स्थल जल योजना संचालित की जाती है। इस योजना में ट्यूबवैल करके उसी में मोटर पंप लगाकर कई नल लगा दिये जाते हैं और ग्रामीणों को स्पाट पर ही पानी दिया जाता है। इस योजना में घरों में कनेक्शन नहीं दिये जाते हैं। लोगों को ट्यूबवैल पर ही लगे नलों से पानी भरना पड़ता है। इस योजना को नल-जल योजना में गांव की आबादी बढ़ने पर परिवर्तित कर दिया जाता है।

पीतल के भाव पर हो रही लोहे की बिक्री फिर भी प्रशासन चुप

हरिभूमि न्यूज/चीचली। भले ही सरकार द्वारा ग्राहकों को जागरूक रहने के साथ साथ उनकी खून पसीने की कमाई से खरीदी जाने वाली सामग्री मूल्य के भाव से सही मिले इसकी सोच रखते हुए कानून को सख्त बनाया गया है, मगर इसके बाद भी दुकानदारों द्वारा ग्राहकों को किस प्रकार से चूना लगाया जाता है इस बात का सबूत इस सच्चाई से और दूसरा देखने नही मिल सकता है? अक्सर देखा जाता है कि बाजार का खेल भी विचित्र होता है कभी चमचमाते बाजार में महत्तवहीन चीजों के दाम अधिक पाकर व्यापारी अचम्भे में आ जाते है और कभी ग्राहकों की आंखों में धूल झोंक सस्ती बस्तु मंहगे दामों में बेच दी जाती है? बताया जाता है कि इस तरह से ग्राहकों के साथ गफलतबाजी करने का माजरा बर्तन बाजार का है, जिसमें खुलेआम लोहे को पीतल के भाव बेचते हुए देखा जाता है। क्योंकि की कसेड़ियों तथा हंडों के मुंह पर अंदर मढ़ी लोहे की बजनी राड को भी कुछ तथा कथित दुकानदारों द्वारा कसेड़ी के साथ तौलकर पीतल के भाव बेच दी जाती है वही दूसरी ओर जब कोई व्यक्ति अपनी पुरानी कसेडी को उसी दुकान पर बेचने के लिए पहुंचता है तो उस समय उस लोहे की राड़ को निकालकर खरीदा जाता है, जिसके चलते खरीद के समय तो आम आदमी को पीतल के पाव खरीदने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। वही बेचने के समय अलग कर दिया जाता है। इस सच्चाई को लेकर यदि कोई ग्राहक आवाज भी उठाने का प्रयास करता है तो दुकानदारों द्वारा यह बात कही जाती है कि यह तो नियम है अब नई कसेडी से लोहे की राड को निकालकर तो तौली नही जा सकती है? इस प्रकार से चमकते बाजार में चल रही ग्राहकों के साथ गफलतबाजी को लेकर प्रशासन भी अनविज्ञ नही है मगर इस ओर शायद आज तक किसी के द्वारा कार्यवाही करने का प्रयास किया गया हो? जिसके चलते आम ग्राहक आराम से पैसे देकर पीतल की कसेड़ियों से अपने घरों की शोभा बढ़ा रहे है।

कलेक्टर ने नारगी-माल्हनवाड़ा पहुंचकर आंगनबाड़ी सहित विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, बच्चों से संवाद कर पोषण, शिक्षा और भोजन ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

शिक्षा सत्र शुरू होने के पहले ही दिन जब जिला कलेक्टर गांव के स्कूल व आंगनबाडी केन्द्र पर नजर आई तो कर्मचारियों में हडकंप जैसा महौल निर्मित होने से नही चूक पाया। बताया जाता है कि बीते हुये बुधवार को जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विकासखंड चीचली के ग्राम नारगी-माल्हनवाड़ा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र एवं एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पहुंचकर औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के पोषण, शिक्षा, उपस्थिति एवं भोजन व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पोषण ट्रैकर एप, दर्ज बच्चों की संख्या, उनकी नियमित उपस्थिति तथा कुपोषित एवं कम वजन वाले बच्चों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा बच्चों की उपस्थिति का सही ढंग से रिकॉर्ड संधारित नहीं पाए जाने पर उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के प्रति नाराजगी व्यक्त की और अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें दिए जा रहे भोजन एवं नाश्ते की जानकारी लेने के साथ उन्होंने स्वयं बच्चों को परोसे जा रहे नाश्ते का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार से गांव के एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा पाँचवीं की एक छात्रा से अंग्रेजी विषय के प्रथम अध्याय का वाचन कराया और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का आकलन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या, उनकी उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति तथा मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की भी जानकारी लेते हुये कलेक्टर ने विद्यालय में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन एवं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में बच्चों को दिलाई गई सायबर शपथ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सायबर अपराधों से शिकार हो रहे लोगों को बचाने के लिये पुलिस विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सभी क्षेत्रीय स्कूलों में विद्यार्थियों को लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा जारी निर्देशानुसार सायबर शपथ प्रार्थना सभा में दिलाई गई। शपथ में छात्र छात्राओं ने इंटरनेट का प्रयोग सुरक्षित और जिम्मेदारी से करने तथा स्वयं और अपने जानने वालों की व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड और डाटा को सुरक्षित रखने के आलवा किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या संदेश पर भरोसा नहीं करने और दूसरों को भी सावधान करने, किसी परिचित व्यक्ति के साथ कोई साइबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर करने और इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को देने के साथ साथ बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने एवं सजग रहकर साइबर सुरक्षित समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। यहाँ उल्लेखनीय है कि राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा सायबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता हेतु राज्य स्तरीय बृहद सायबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत स्कूलों में छात्र छात्राओं सायबर शपथ दिलाये जाने के निर्देश जारी किये गये थे।

खबर संक्षेप

डुंगरिया में गहराया पेयजल संकट, तीन मोहल्लों के लोग पानी के लिए बेहाल

जल जीवन मिशन की अधूरी व्यवस्था से ग्रामीणों में नाराजगी

डिंडोरी। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत डुंगरिया के ग्रामीण पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने समस्या के निदान के लिए मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आवेदन दिया है। ग्रामीणों ने बतलाया कि लगभग तीन वर्ष पहले जल जीवन मिशन योजना के तहत नल जल का कनेक्शन किया गया हैए वह भी आधा अधूरा है। इसके बावजूद भी ग्राम पंचायत द्वारा नल जल योजना हेंडओवर ले ली है। लेकिन ग्रामीणों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांव में लगभग दस की संख्या में हैंडपंप हैए जिनमें से अधिकतर बंद पड़े हुए हैं। जो हैंडपंप चालू भी हैंए लेकिन जल स्तर नीचे खिसकने के कारण कम मात्रा में पानी निकल रहा है। पानी भरने के लिए हैंडपंप में लंबी कतार लगती हैए जिसके कारण कुछ लोगों को पीने का पानी तक नहीं मिल पाता और दूसरे वार्डों और गांव से पानी लाकर गुजारा करना पड रहा है। ग्राम में भर्रा टोलाए नदिया टोलाए और ठाकुर टोला में सबसे ज्यादा पेयजल की समस्या बनी हुई है। भर्रा टोला में नल जल कनेक्शन के लिए पाईप लाईन तक का विस्तार नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने बतलाया कि ग्राम पंचायत द्वारा मोटर पंप मरम्मत और अन्य सुधार कार्य के लिए ग्राम पंचायत के खाते से राशि की निकासी की जाती हैए लेकिन नल जल योजना ही बंद पडी हुई है ऐसे में ग्राम पंचायत द्वारा सुधार कार्य और मरम्मत के लिए राशि निकाली जा रही हैए जो सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों ने बतलाया कि ग्राम पंचायत द्वारा जब से नल जल योजना हेंडओवर लिया गया हैए तब से सुचारू रूप से नल जल का संचालन ही नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की हैए कि ग्राम पंचायत को निर्देशित किया जाए जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिल सके।

बाड़ी में हल जोतने की बात को लेकर की गई मारपीट

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दियाबार में बाड़ी में हल जोतने की बात को लेकर एक किसान से मारपीट की गई है। पुलिस के अनुसार पचलू परस्ते पिता करिया परस्ते उम्र 42 साल निवासी ग्राम दियाबार ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सोमवार को दोपहर करीबन 12 बजे मैं नेवसा जाने के लिये घर से निकला था। उसी समय घर की बाडी में भतीजा राजेश से कहा कि इस बाडी में बबलू हल जोतेगाए तुम अपनी बाडी को जोतो। तब इसी बात को लेकर मेरा भतीजा राजेश ने गाली गलौच कर मारपीट की। उसी समय मेरा भाई गुलाल आया और गाली गलौच करते हुए वही पड़ा पत्थर उठाकर मार दिया। मेरी पत्नी एवं नाती ने बीचै बचाव किया। मेरे भाई गुलाल एवं भतीजा राजेश ने जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा कायम प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है।

अस्पताल की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

19 घंटे तक रुका पोस्टमार्टम फिर शव को जबलपुर भेजने का फैसला

डिंडोरी।

सात दिन से लापता महिला की लाश जंगल से बरामद होने के बाद उसके पीएम के लिये पुलिस और परिजन 19 घंटे तक इंतजार करते रहे। इसके बावजूद जिला अस्पताल प्रबंधन ने मृतिका का पीएम करने से इंकार करते हुए पुलिस को जबलपुर मेडिकल कॉलेज जाने का फरमान सुना दिया। इस बीच पुलिस हलाकान होती रही। अस्पताल प्रबंधन की इस टालमटोली पर मृतिका के परिजनों ने आक्रोश भी जताया। गौरतलब है कि सिटी कोतवाली थानांतर्गत कचनारी के जंगल मे मंगलवार की दोपहर एक महिला की दो टुकड़ों में लाश बरामद हुई थी। महिला का सिर पेड़ पर लटका मिला थाए जबकि उसका धड़ थोड़ी दूर से बरामद किया गया था। मृतिका की पहचान देववती पति चरण सिंह मरावी आयु 46 साल निवासी कचनारी के रूप में कई गई। जानकारी के अनुसार 23 जून को देववती और चरण एक साथ जंगल मे लकड़ी लेने गये थे। जिसके बाद से देववती लापता थी। पति के मुताबिक देववती अपने मायका किसलपुरी चली गई थी। पुलिस के मुताबिक मंगलवार की सुबह बकरी चराने जंगल पहुंचे एक ग्रामीण ने लाश को देखा और ग्रामीणों को बतलाया था तब ग्रामीण लक्ष्मन ने इस बावद पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर प्रारंभिक कार्रवाई के बाद मंगलवार की शाम शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां सिविल सर्जन ने पीएम कार्रवाई हेतु चिकित्सकों की टीम भी गठित कर दी। लेकिन बुधवार की दोपहर अचानक चिकित्सकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देकर पीएम करने से इंकार कर दिया और अग्रिम कार्रवाई के लिये शव को जबलपुर मेडिकल ले जाने की सलाह दे दी। एकाएक चिकित्सकों के इस रवैये से पुलिस और परिजन आवाक हो गये। इस दौरान पुलिस ने शव को जबलपुर ले जाने शव वाहन की मांग अस्पताल प्रबंधन से कीए लेकिन इस बाबद भी अस्पताल प्रबंधन ने हाथ खड़े कर दिये। इसके बाद आनन फानन में शव को जबलपुर ले जाने की व्यवस्था में पुलिस हलाकान रही। पूरे मामले पर मृतिका के परिजनों ने पीएम में हीलाहवाली पर अस्पताल प्रबंधन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

खाता धारक महिला ने कलेक्टर से की शिकायत

बैंक के बीसी पर चालीस हजार आहरण कर हड़पने के आरोप

डिंडौरी।

गीधा निवासी महिला ने बैंक मित्र पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत कलेक्टर से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। खाताधारक सबीना बाई ने बतलाया कि उसके नाम पर प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था जिसकी किस्तवार राशि मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा गाडासरई में संचालित खाता में जमा हुई है। जिस राशि को बीसी हरि सिंह राजपूत के माध्यम से 6 अप्रैल 2025 को 25 हजार रुपये का आहरण किया हैए तथा 14 जुलाई 2025 को चालीस हजार रुपये का आहरण किया गया। इसके बाद 1 अगस्त 2025 को चालीस हजार रुपये निकासी करने के लिए बीसी हरि सिंह के पास पहुंची थीए तब बीसी ने पूर्व की भांति मशीन में अंगूठा लगवाया और कह दिया कि आज सर्वर डाउन हैए बाद में आकर राशि ले जाना। जब दोबारा राशि लेने गई तो हरि सिंह ने राषि नहीं दिया और यह कह दिया गया कि खाते में राशि जमा नहीं हुई है। जिसके कुछ दिन बाद खाते से संबंधित जानकारी ली गई तो चालीस हजार रुपये का आहरण होना पाया गया। तब महिला हरि सिंह के पास पहुंची और भुगतान करने की मांग करने लगी लेकिन हरि सिंह की नीयत बदल गईए और वह महिला से कहने लगा कि तुम्हें राशि आहरण कर भुगतान कर दिया गया है। महिला ने हरि सिंह को बतलाया कि सर्वर डाउन होने का हवाला देकर तुम्हारे द्वारा भुगतान नहीं किया गया हैए लेकिन बीसी अपनी बात से मुकर गया और राशि देने में आनाकानी कर रहा है। महिला ने बतलाया कि इस बावद पुलिस थाना गाडासरई में भी शिकायत की थी लेकिन पुलिस के द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कलेक्टर से शिकायत के बाद महिला ने मांग की है कि उसे बीसी द्वारा छलपूर्वक आहरित राशि दिलाये जाने और उसके विरुद्ध कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

शिक्षिका का तबादला निरस्त करने की मांग, छात्रों ने प्रशासन से लगाई गुहार

डिंडौरी। हाल ही में हुए बडी तादाद में शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर जहां शिक्षा विभाग में चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानांतरण के बाद कुछ शिक्षक मनपसंद स्कूलों में पदस्थापना होने के बाद खुश नजर आ रहे हैंए वहीं कुछ शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद बच्चों और पालकों में मायूसी छाई हुई है। ऐसा ही मामला समनापुर विकासखंड अंतर्गत भालापुरी के शिकारी टोला प्राथमिक शाला का प्रकाश में आया है। जहां भवन विहीन शाला में अध्यनरत बच्चों को घास फूस की झोपडी में पढाया जा रहा है। लेकिन यहां की शिक्षिका का स्थानांतरण अन्यत्र हो जाने के कारण बच्चों और पालक खासे परेशान हैं। शिक्षिका का स्थानांतरण रुकवाने को लेकर विगत दिवस स्कूल छात्र और पालक कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। जिनके द्वारा कलेक्टर को आवेदन देकर शिक्षकों को यथावत रखने की मांग की गई है। दिये गये आवेदन में बतलाया गया कि प्राथमिक शाला शिकारी टोला में सुश्री उमा उपाध्याय वर्ष 2009 से पदस्थ हैंए और अपना शिक्षकीय कार्य ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक निभा रहीं है। जरूरतमंद बच्चों को कापी पुस्तक और फीस तक की मदद करती हैंए शिक्षिका को क्षेत्रीय बोली का ज्ञान है जिसके चलते बच्चों को आसानी से समझा पाती हैं। जिसका परिणाम यह है कि उनके द्वारा पढाये बच्चे आज उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त कर आगे बढ़ रहे हैं। पालकों ने बतलाया कि उनके बच्चे घरों की अपेक्षा स्कूल में ज्यादा खुष नजर आते हैं। छोटे.छोटे बच्चे घरों में रहने की बजाय स्कूल जाना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसी दशा में शिक्षिका का स्थानांतरण होने पर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा।

भवन विहीन शालाए झोपडी में लग रहा स्कूल

शिकारी टोला में संचालित प्राथमिक शाला भवन जर्जर हो गया थाए जिसके बाद विगत वर्ष शाला भवन को डिस्मेंटल कर दिया गया थाए लेकिन नवीन भवन का निर्माण नहीं कराया गया। जिससे बच्चों को पढ़ाई कराने के लिए पालकों और शिक्षक की मदद से घास फूस की झोपडी बनाकर शाला का संचालन किया जा रहा है। नवीन भवन निर्माण को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला स्तर तक आवेदन दिया गयाए लेकिन भवन का निर्माण अब तक नहीं कराया गया। किसी तरह बच्चे अध्ययन कार्य कर रहे थेए लेकिन भवन निर्माण तो नहीं कराया गया बल्कि शिक्षिका का ही स्थानांतरण कर दिया गया है।

निरीक्षण में मिली अनियमितता, विक्रमपुर का बीज भंडार केंद्र सील

डिंडोरी।

विक्रमपुर में संचालित बीज भंडार केंद्र में कृषि विभाग के अधिकारियों ने विगत दिवस छापामार कार्रवाई की थीए जहां निरीक्षण के दौरान पेस्टिसाइड और फर्टिलाइजर पाया गया था। जिसके बाद संचालक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुएए दुकान को सील कर दिया गया हैए और दुकान का लाइसेंस भी निरस्त करने की कार्रवाई की गई है। आरोप है कि 11 जून को निरीक्षण के दौरान बीज भंडार में पेस्टिसाइड और फर्टिलाइजर मिला था।जिसे जब्त कर दुकानदार को ही सुपुर्द किया थाए लेकिन जब अधिकारी जप्त मॉल लेने पहुंचे तो वहां नहीं मिला। हालांकि अधिकारी एक सुनवाई का अवसर देने की बात कह रहे है।

लायसेंस निरस्त कर दुकान की सील

खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि विभाग ने अवैध और अनियमित खाद बीज बिक्री के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए टीम गठित कर निरीक्षण किया जा रहा था। विक्रमपुर लैम्पस में पदस्थ एसएन चौकसे की पत्नी सुमन चौकसे की सिलाई सेंटर में खाद बीज की दुकान संचालित है। क्वालिटी निरीक्षक अर्चना गोहियाए सहायक संचालक डॉक्टर नेहा धुरिया ने निरीक्षण के दौरान बिना वैध लाइसेंस के पेस्टीसाइड लिक्विड 3ण्5 लीटरए और 9ण्92 किलोग्राम पाउडर फार्म मेंए फर्टिलाइजर 69ण्6 किलोग्राम जब्त किया था। पंचनामा तैयार कर जब्त मॉल दुकानदार के ही सुपुर्द किया था। 30 जून को टीम फिर पहुंची जब्त मॉल की जानकारी लीए तो गायब मिलाए फिर अधिकारियों ने लाइसेंस निरस्त कर दुकान सील कर दी है।

किसानों का आरोप सोसायटी से नहीं मिल रहा खाद बीज

चौकसे बीज भंडार से बीज लेने पहुंचे खमरिया गांव के किसान हेमराज मरकाम ने बताया कि लैम्पस से किसानों को खाद बीज नहीं मिल रहा है। मजबूरन हमे प्राइवेट बीज भंडार से महंगा खाद और बीज लेना पड़ रहा है। जब समय पर खाद बीज नहीं मिलेगा तो उत्पादकता कम होगी। वही लैम्प्स प्रबंधक का कहना है कि सोसायटी में अभी भी डीएपी और यूरिया पुराना स्टॉक रखा हुआ है। लेकिन साइंस और कृषि विज्ञान की फैकल्टी न होने की वजह से किसानों को खाद वितरित नहीं कर पा रहे है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम संपन्न, जिले ने देश में प्राप्त किया तीसरा स्थान

31 लाख 21 हजार 200 घन मीटर जल संग्रहण क्षमता का हुआ विकास

डिंडौरी।

शासन के निर्देशानुसार जिले में 19 मार्च 2026 से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम आज कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम हाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद फग्गन सिंह कुलस्तेए विधायक ओमप्रकाश धुर्वेए पंकज सिंह तेकामए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू ब्यौहारए सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संचयन एवं जनभागीदारी के माध्यम से विभिन्न जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण का व्यापक कार्य किया गया।

देश में तीसरे स्थान पर रहा जिला

जिले में इस अभियान के तहत किए गए उत्कृष्ट कार्यों के परिणामस्वरूप डिंडौरी ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन एवं सतत प्रयासों से ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायतए विकासखंड एवं तहसील स्तर पर बड़े पैमाने पर तालाबए स्टॉप डेमए नालाए खेत तालाबए डगवेलए नदी.नालेए नहरए सोकपिटए कंटूर ट्रेंचए रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं सप्रिंग ड्रॉप जैसे कार्य संपादित किए गए। साथ ही शासकीय एवं अर्द्धशासकीय भवनों में भी वर्षा जल संचयन की व्यवस्थाएं विकसित की गईं। अभियान के तहत जिले की 364 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी से जल संरक्षण के कार्य संपन्न हुएए जिससे कुल 31 लाख 21 हजार 200 घनमीटर जल संग्रहण क्षमता का विकास हुआ। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ प्राप्त हुआ है।

समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सराहनीय कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसे सहेजना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जल संरचनाओं के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा वर्षा जल संचयन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सांसद ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने जिले को इस अभियान में देश में तीसरा स्थान प्राप्त होने पर जिला प्रशासन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं आमजन की जनभागीदारी से ही ऐसे अभियान सफल कि जा सकते हैं।

सामूहिक प्रयास और जनभागीदार का परिणाम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि यह डिंडौरी जिले के लिए गौरव की बात है कि अन्य जिलों की तुलना में पिछड़ा होने के बावजूद भी जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों से आज जिले ने देशभर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में किए गए कार्य सराहनीय हैंए जिनका परिणाम आज राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी अधिकारी.कर्मचारियोंए जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी का परिणाम है। विधायक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में भी इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। जिला प्रशासन द्वारा किए गए इन प्रयासों से आगामी समय में वर्षा जल के भूमिगत संचयन में वृद्धि होगीए जिससे जलस्तर में सुधार आएगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

शहपुरा में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

डिंडौरी। शहपुरा तहसील कार्यालय में बुधवार को एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के निर्देशन में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में फार्मर रजिस्ट्री पंजीयनए आधार.खसरा लिंकिंगए भू.राजस्व संग्रहण तथा राजस्व न्यायालय में लंबित नामांतरणए बंटवारा और सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को लंबित मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। मानसून को देखते हुए एसडीएम ने अतिवृष्टि से मकान क्षतिए सर्पदंश तथा आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली जनहानि एवं पशुहानि से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावित लोगों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के लिए राजस्व अमला पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे।बैठक में राजस्व वसूलीए सीएम हेल्पलाइन तथा जनसुनवाई के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आम नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों का निर्धारित समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएए ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।बैठक में तहसीलदार आरण्पीए मार्कोए नायब तहसीलदार टीण्एलण् धुर्वेए बीण्एसण् धुर्वे सहित सभी राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत कार्यालय पहली बारिश में बना जलभराव का केंद्र

ग्राम पंचायतों को सोख्ता गड्ढों की सीख, लेकिन जनपद मुख्यालय में ही नहीं जल निकासी की व्यवस्था

डिंडौरी। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण भू.जल स्तर में वृद्धि तथा जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को सोख्ता गड्ढों के निर्माणए वर्षा जल संचयन और अन्य जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए जा रहे हैं। कई स्थानों पर ग्रामीण भी स्वप्रेरणा से जल संरक्षण के प्रयास कर रहे हैं।इसके विपरीत जनपद पंचायत डिंडौरी का मुख्यालय स्वयं अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता नजर आ रहा है। पहली ही बारिश में जनपद पंचायत कार्यालय का मुख्य प्रवेश द्वार और परिसर जलभराव की चपेट में आ गया। परिसर में जमा पानी इस बात का संकेत देता है कि जिस विभाग पर जल संरक्षण को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी हैए वही अपने कार्यालय में वर्षा जल निकासी और संचयन की समुचित व्यवस्था नहीं कर सका।

जलभराव के कारण कर्मचारियोंए जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को कार्यालय आने.जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल असुविधा तक सीमित नहीं हैए बल्कि सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक तैयारियों पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जनपद पंचायत अपने कार्यालय परिसर में ही सोख्ता गड्ढा अथवा रिचार्ज पिट जैसी मूलभूत व्यवस्था विकसित नहीं कर पा रही हैए तो ग्राम पंचायतों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने का संदेश कमजोर पड़ता है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि कार्यालय परिसर में वैज्ञानिक जल निकासी एवं वर्षा जल संचयन की व्यवस्था से न केवल जलभराव की समस्या समाप्त हो सकती हैए बल्कि भू.जल संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

इस संबंध में जनपद सदस्य संतोष सिंह चंदेल ने कहा कि जब जनपद पंचायत स्वयं जल गंगा संवर्धन अभियान के अनुरूप अपने कार्यालय परिसर में जलभराव रोकने और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था नहीं कर पा रही हैए तो गांवों में अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने का संदेश कैसे जाएगा। उन्होंने मांग की कि कार्यालय परिसर में तत्काल सोख्ता गड्ढाए रिचार्ज पिट और समुचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप पहले सरकारी कार्यालयों को जल संरक्षण का आदर्श मॉडल बनाना होगाए तभी आमजन इस अभियान से प्रेरित होंगे।स्थानीय नागरिकों का भी मानना है कि प्रशासन को सबसे पहले अपने कार्यालय परिसर में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए। सरकारी संस्थान यदि स्वयं जल संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगेए तभी अभियान का उद्देश्य धरातल पर सफल होता दिखाई देगा।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 2 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कोरी-तंतुवाय समाज ने मनाई कबीर साहेब की जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। महान संत, समाज सुधारक और भक्तिकाल के प्रमुख कवि संत कबीरदास जी की जयंती को पूरे देश में बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि को कबीर जयंती मनाई जाती है। वहीं सद्गुरू कबीर साहेब के 629वें प्राकट्योत्सव के अवसर पर बीते दिवस विपतपुरा स्थित वीरेंद्र कोरी के निवास पर में आयोजित प्राकट्योत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कोरी-तंतुवाय समाज के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कोरी, सोमराज कोरी, नवल किशोर तंतुवाय, डोरीलाल कोरी, धनीराम कोरी, अर्जुन कोरी, कमलकांत कोरी, राकेश कोरी, सुनील कोरी, राजेश कोरी, हर्ष कोरी आदि स्वाजातीय बंधु उपस्थित हुए।

दिशा समिति की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी 3 जुलाई को प्रात 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि उक्त बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन, जिले में संचालित केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, शिक्षा एवं मानव विकास, कृषि, ग्रामीण एवं सहकारिता विकास, जल, सिंचाई एवं संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा, उद्योग, कौशल एवं रोजगार, प्रशासनिक एवं आपूर्ति तंत्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की जाएगी।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को दिए सख्त निर्देश

शैक्षणिक गुणवत्ता, उपस्थिति व परिणाम पर विशेष फोकस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में विकासखंड चीचली के समस्त प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं बीआरसी/ बीएसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, बोर्ड परीक्षा परिणाम, छात्र उपस्थिति, नामांकन, अधोसंरचना, अपार आईडी, आधार सीडिंग सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अधिकारियों एवं प्राचार्यों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, बेहतर परीक्षा परिणाम और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें।

बोर्ड परीक्षा पर विशेष फोकस

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक का पाठ्यक्रम नवंबर-दिसंबर तक पूर्ण कराया जाए। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट सूची में स्थान दिलाने तथा जी एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। बैठक में कमजोर विद्यार्थियों के लिए जुलाई माह से रेमेडियल कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से गणित एवं अंग्रेजी विषयों पर ध्यान देते हुए विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें बेहतर श्रेणी में उत्तीर्ण कराने के प्रयास किए जाएंगे। प्रत्येक माह कम से कम दो मूल्यांकन परीक्षण अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएंगे।

उपस्थिति व शत-प्रतिशत नामांकन करें सुनिश्चित

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है, वहां शिक्षक घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पालकों से संवाद करें। लगातार 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से बालिकाओं की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अलग कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। कक्षा 1 से 8 तक के शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके लिए आंगनवाड़ी की सूची से मिलान कर नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया। बैठक में अपार आईडी, आधार सीडिंग एवं दस्तावेजों की त्रुटियों के कारण लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है वहां विशेष आधार शिविर आयोजित कर नाम एवं जन्मतिथि संबंधी त्रुटियों का सुधार कराया जाएगा। साथ ही शनिवार तक सभी विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 9वीं एवं 12वीं के शेष विद्यार्थियों की मैपिंग भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा गया।

जर्जर भवनों को तत्काल करें डिस्मेंटल

कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जर्जर एवं क्षतिग्रस्त विद्यालय भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवालों की मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी अधिकारियों की सहायता लेने को कहा गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के कार्यों की वर्ष में कम से कम तीन बार विस्तृत समीक्षा की जाएगी, ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक विपनेश कुमार जैन, जिला परियोजना समन्वयक श्री द्विवेदी, जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी / बीएसी तथा विकासखंड चीचली अंतर्गत सभी शासकीय हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब के पदाधिकारी नियुक्त, किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस अंतरराष्ट्रीय सेवाभावी संस्था रोटरी क्लब के नवीन सत्र प्रारंभ हुआ। रोटरी ब्लड बैंक में आयोजित कार्यक्रम में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. स्वाति मीणा ने अध्यक्ष रोटे. राम किलेदार सचिव रोटे. राजेन्द्र जुनेजा एवं कोषाध्यक्ष रोटे. नीरव मानसाता को बैच लगाकर पदभार ग्रहण कराया। क्लब के पूर्व असि.गवर्नर रोटे. रूद्रेश तिवारी ने विगत वर्ष की सेवा गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुये नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनायें दी। पूर्व असि.गवर्नर रोटे. प्रसून धौरेलिया एवं रोटे. मयंक मनोहर साहू ने सभी का स्वागत किया।

क्लब के सत्र शुभारंभ पर प्रति वर्ष रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है जिसमें क्लब के सदस्य एवं आमजन पूरे दिन रक्तदान करते हैं। इस मौके पर रोटे. मयंक साहू, रोटे. राम किलेदार, रोटे. मनीष जैन, रोटे. सुमित जायसवाल सहित अन्य लोगों ने रक्तदान कर समाज को प्रेरित करने युवाओं को संदेश दिया। इस अवसर पर रोटे. मनीष जैन, रोटे. सुमित जायसवाल, रोटे. मनु किलेदार, रोटे. विपिन महाजन, रोटे. कैलाश चावला, रोटे. प्रदीप नामदेव, रोटे. रामसेवक गुमास्ता, रोटे. प्रवीण पालीवाल, रोटे. विनीत महाजन, रोटे. तनु पालीवाल रोटे. सविता अग्रवाल, रोटे. स्वाति जायसवाल एवं ब्लड बैंक स्टाफ की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बहुचर्चित अपहरण व मारपीट के मामले का मुख्य आरोप गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते माह थाना क्षेत्र ठेमी के ग्राम करकबेल में शराब ठेकेदार के अपहरण व मारपीट के बहुचर्चित मामले में मुख्य आरोपी दीपक पटेल को पुलिस ने जबलपुर से गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल कर ली है। पुलिस ने घटना में उपयोग किए गए वाहन को भी जब्त कर लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया जहां से जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि फरियादी जयहिन्द सूर्यवंशी, निवासी करकबेल द्वारा थाना ठेमी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि प्रदीप कौरव, निवासी नरसिंहपुर के साथ कुछ व्यक्तियों द्वारा मारपीट की गई। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस धरा तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपियों के विरूद्ध धारा धारा 140 (2), 117 (2), 351 (3), 331, 332, 138, 3/5 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर तत्काल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। घटना के बाद मुख्य आरोपी फरार था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा एएसपी एवं एसडीओपी के निगरानी में टीम गठित की गई उक्त टीम को आरोपी तक पहुंचने मे 59 दिन का समय लग गया।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया आचार्य श्री विद्यासागर जी का 59वाँ दीक्षा दिवस

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस दिगंबर जैन समाज डोभी द्वारा संत शिरोमणि राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का 59वाँ दीक्षा दिवस श्रद्धा भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री चंदाप्रभु दिगंबर जैन जिनालय में प्रातःकाल विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री चंदाप्रभु के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुआ। इसके पश्चात आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज की भव्य महाआरती कर उनके दीक्षा दिवस का उत्सव मनाया गया। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जयघोष और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर सिंघई चन्द्रकुमार जैन ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के त्याग तप संयम और राष्ट्र व समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री ने अपने जीवन में अनेक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी ग्रंथों की रचना की जो आज भी समाज को नैतिकता सदाचार आत्मसंयम और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखा रहे हैं। साहित्य और विचारों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि आचार्य श्री का संपूर्ण जीवन अहिंसा सत्य करुणा त्याग और आत्म कल्याण का संदेश देता है। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को अपनाते हुए अहिंसा और सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।धार्मिक आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों युवाओं महिलाओं एवं बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और आचार्य श्री के चरणों में नमोस्तु अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बरमान कलां में 60 ट्रॉली खनिज रेत जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशन में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार एक जुलाई को राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जांच के दौरान करेली तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरमान कलां में शासकीय भूमि में अवैध रूप से भंडारित रेत पाई गई। मौके पर नायब तहसीलदार श्री भाटी, खनि निरीक्षक श्रीमती अनुपमा सिंह बघेल, हल्का पटवारी, ग्राम कोटवार एवं बरमान पुलिस चौकी के द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 60 ट्रॉली अर्थात 180 घनमीटर खनिज रेत लावारिस स्थिति में जब्त की गई। जब्त रेत को मौके पर ही ग्राम सचिव एवं ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में देकर अवैध भण्डारण का प्रकरण दर्ज किया गया है।

4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राही को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्टर चैंबर में नरसिंहपुर तहसील के ग्राम अगरिया निवासी श्रीमती राजेश्वरी ठाकुर को 4 लाख रुपये की सहायता राशि का चैक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम अगरिया निवासी सिद्धार्थ पिता यशवंत ठाकुर की 12 अप्रैल 2025 को कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत मृतक के निकटतम वारसान के रूप में उनकी माता श्रीमती राजेश्वरी ठाकुर पति यशवंत ठाकुर को 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई।

सिंदूर नदी का अस्तित्व संकट में

चौड़ीकरण बना अभिशाप -सूखी नदी

तेंदूखेड़ा। नरसिंहपुर और रायसेन जिले की सीमा पर स्थित तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मदनपुर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों और ग्रामीणों के निस्तार का सहारा बनीं सिंदूर नदी आज अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। नदी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष की लड़ाई लड रही है।कभी अपने अविरल जलप्रवाह के लिए पूरे क्षेत्र में एक अलग पहचान रखने वाली यह नदी आज पूरी तरह से सूख चुकी है। स्थिति यह है कि क्षेत्र के लोग अब बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सिंदूर नदी का पहले एक सीमित और गहरा स्वरूप था। जिससे पानी का ठहराव बना रहता था। मवेशियों को पीने का पानी उपलब्ध रहने लोगों का निस्तार तथा किसानों को पानी मिलने से फसलों और सब्जियों की पैदावार में सहायक बनीं हुई थी लेकिन समय के साथ और बिना सोचे-समझे हुए इसके चौड़ीकरण के कारण अब नदी में पानी रुकना बंद हो गया है। बरसाती पानी के साथ नदी की चौड़ाई बढ़ने से पानी फैल जाता है और जल्द ही सूख जाता है। प्रशासन द्वारा नदी पर स्टॉप डैम तो बनाए गए हैं । लेकिन पानी का ठहराव न होने के कारण ये स्टॉप डैम भी भीषण गर्मी में सिर्फ शोपीस बनकर रह गए हैं।

जलस्तर गिरने से गहराया पेयजल संकट

सिंदूर नदी के सूखने का सीधा असर मदनपुर और उसके आसपास के भूजल स्तर पर पड़ा है। क्षेत्र के कुएं बावड़ी और हैंडपंप दम तोड़ रहे हैं। ग्रामीणों को दैनिक उपयोग और मवेशियों के लिए पानी जुटाने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। किसानों के सामने भी रबी और खरीफ फसलों की सिंचाई को लेकर चिंता बनीं रहती है।

जल संवर्धन और गहरीकरण की मांग

मदनपुर के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से गुहार लगाई है कि सिंदूर नदी के पुनरुद्धार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। ग्रामीणों की मांग है कि नदी का वैज्ञानिक तरीके गहरीकरण कराया जाए। विशेष योजनाएं तैयार की जाएं जिससे बारिश का पानी रोका जा सके। स्टॉप डैमों की मरम्मत और उनके तकनीकी सुधार पर काम हो ताकि पानी का रिसाव बंद हो।अगर समय रहते प्रशासन ने इस नदी को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में मदनपुर और आसपास का इलाका पूरी तरह जलविहीन हो जाएगा। सिंदूर नदी को फिर सेजीवन दान देना क्षेत्र के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

जिला स्तरीय जन सम्मेलन-सह-लांच कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल के अनुसार विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक जुलाई 2026 से प्रदेश में प्रभावशील हो गई है। इसके शुभारंभ के अवसर पर 2 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषण

रा.मा.क्र./अ-20(1)वर्ष 2026-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 02, नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेलीए प्लाट क्र. 41/51 रकवा 1680 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता-देवेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार पिस. रामअवतार गुप्ता सा. कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम /पिता /माता /पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है-देवेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार पिस. रामअवतार गुप्ता सा. कंदेली उक्त अनुसूची में उल्लेख अनुसार नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 20/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। इश्तेहार आज दिनांक 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर